लाख की चूड़ियाँ
भाग - 3

अभ्यास प्रश्नोत्तर

अभ्यास – प्रश्नोत्तर

प्रश्न -1.बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू' मामा न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था ?

उत्तर – बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव इसलिए चाव से जाता था क्योंकि लेखक के मामा के गाँव में लाख की चूड़ियाँ बनाने वाला मनिहार बदलू रहता था | लेखक को बदलू काका ढेर सारी रंग-बिरंगी लाख की चूड़ियां बना के देता था इसलिए बदलू बड़े चाव से अपने मामा के गाँव जाता था | गाँव के सभी लोग उसे बदलू काका कहकर बुलाते थे इसलिए लेखक भी उसे बदलू मामा न कहकर बदलू काका बुलाता था |

प्रश्न – 2. 'वस्तु-विनिमय' क्या है ? विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है ?

उत्तर – 'वस्तु-विनिमय' में एक वस्तु को दूसरी वस्तु देकर लिया जाता था , वस्तु के लिए पैसे नहीं लिए जाते थे | वस्तु के बदले दूसरी वस्तु देकर ली और दी जाती थी | मुद्रा चलन के बाद से वस्तु का लेन-देन मुद्रा अर्थात् पोसे के द्वारा किया जाता है | विनिमय की प्रचलित पद्धति पैसा है |

प्रश्न- 3. 'मशीनी-युग' ने कितने हाथ काट दिए है |' – इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है ?

उत्तर – इस पंक्ति में लेखक ने कारीगरों की व्यथा की ओर संकेत किया है क्योंकि मशीनों के आ जाने से कारीगरों के हाथ से काम छिन गया है | उन कारीगरों का रोजगार इन पैतृक काम-धंधो से चलता था | अपने पैतृक काम के अतिरिक्त उन्होंने और कोई काम नहीं सीखा था | वे पीढ़ियों से अपनी पैतृक कला के बल पर अपनी रोजी-रोटी चलाते आ रहे है |पर मशीनों के आ जाने से इन कारीगरों को बेरोजगार बना दिया है | इसलिए कहा गया है मशीनी-युग ने कितने लोगों के हाथ काट दिए हैं |

प्रश्न-4. बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी , जो लेखक से छिपी न रह सकी ?

उत्तर – काँच की चूड़ियों के प्रचलन बढ़ने के बाद बदलू के द्वारा बनाई जाने वाली लाख की चूड़ियों की बिक्री बंद हो गई | अपने व्यवसाय की यह दुर्दशा देखकर बदलू मन-ही-मन बहुत दुखी होता था | लोग कारीगरी की कद्र न करके दिखावटी चमक पर अधिक ध्यान देते हैं | बदलू के मन कि यह व्यथा लेखक के मन से छिपी न रह सकी |

प्रश्न-5. मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया ?

उत्तर – मशीनी युग से बदलू के जीवन में यह बदलाव आया कि उसका लाख की चूड़ियों का व्यवसाय बंद हो गया था | वह बेरोजगार हो गया था | काम न करने से उसका शरीर ढल गया था | उसके हाथों और माथे पे नसें उभर आई थी | वह अब बीमार रहने लगा था |

प्रश्न -6. लाख की वस्तुओ का निर्माण भारत के किन-किन राज्यों में होता है ? लाख से चूड़ियों के अतिरिक्त और क्या-क्या वस्तुएँ बनती है ? ज्ञात कीजिए |

उत्तर – लाख की वस्तुओं का निर्माण सर्वाधिक उत्तर-प्रदेश , राजस्थान और पंजाब आदि प्रदेशों में होता है | लाख से चूड़ियाँ , मूर्तियाँ , गोलियां तथा सजावट की वस्तुएँ बनती हैं |

भाषा की बात

7. 'बदलू को किसी बात से चिढ थी तो काँच की चूड़ियों से' और बदलू स्वयं कहता है –"जो सुंदरता काँच की चूड़ियों में होती है लाख में कहाँ संभव है ?" ये पंक्तियाँ बदलू की दो प्रकार की मनोदशाओं को सामने लाती है | इन पंक्तियों में उसके मन की पीड़ा और व्यंग्य है | दुखी मन से या व्यंग्य से बोले गए वाक्यों के अर्थ सामान्य नहीं होते हैं | कुछ व्यंग्य वाक्यों को ध्यानपूर्वक समझकर एकत्र कीजिए और उनके भीतरी अर्थ की व्याख्या करके लिखिए |

उत्तर – व्यंग्य वाक्य – 'अब पहले जैसे लोग कहाँ ?'

व्याख्या – आजकल लोग स्वार्थी होते जा रहें है केवल अपने फायदे के लिए दूसरो को नुकसान पहुँचाने से भी पीछे नहीं हटते | उनका मानना है कि पहले के लोगें एक-दूसरे की मदद करने के लिए सब-कुछ करते थे | पूरा मोहल्ला या गाँव एक परिवार जैसा होता था जो अब नहीं मिलता |

---

8. 'बदलू, कहानी की दृष्टि से पात्र है और भाषा की बात (व्याकरण) की दृष्टि से संज्ञा है | किसी भी व्यक्ति , स्थान, वस्तु , विचार अथवा भाव को संज्ञा कहते हैं | संज्ञा को तीन भेदों में बाँटा गया है –

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, जैसे – लला , इत्यादि

(ख) जातिवाचक संज्ञा, जैसे - चरित्र , स्वभाव , वजन , आकार आदि के द्वारा जानी आने वाली संज्ञा

(ग) भाववाचक संज्ञा , जैसे – सुन्दरता , नाजुक , प्रसन्नता इत्यादि जिसमे कोई व्यक्ति नहीं है और न ही आकार या वजन | परन्तु उसका अनुभव होता है | पाठ में से तीनो प्रकार की संज्ञाएँ चुनकर लिखिए |

उत्तर – (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा – बदलू ,रज्जो |

(ख) जातिवाचक संज्ञा – आदमी , मकान , शहर

(ग) स्वभाव , रूढ़ी , व्यथा

9. गाँव की बोली में कई शब्दों के उच्चारण बदल जाते हैं | कहानी में बदलू वक्त

(समय) को बखत , उम्र (वय/आयु) को उमर कहता है | इस तरह के अन्य शब्दों को

खोजिए जिनके रूप में परिवर्तन हुआ हो , अर्थ में नहीं |

उत्तर – जैसे कक्षा सात में कुछ ग्रामीण भाषा के शब्द पढ़े हैं – पाठ – "दादी माँ " में आए हैं –

उरिन – उऋण

माटी – मिटटी

ब्याह – विवाह (शादी)

कागा – कौवा

घड़ा – गगरी

समाप्त

धन्यवाद